गरिमा 6

1. भाषा और व्याकरण

भाषा विचारों की अभिव्यक्ति तथा भावों के आदान-प्रदान का साधन होती है। व्यक्ति अपनी बात भिन्न-भिन्न माध्यमों से दूसरों तक पहुँचाता है।

शिक्षण-संकेत

- छात्र भाषा से भली-भाँति परिचित हो चुके हैं। आप पृष्ठ 5 पर दिए भिन्न-भिन्न उदाहरणों द्वारा भाषा को और स्पष्टता से समझाएँ।
- छात्रों से जानें कि वे भाषा को किस प्रकार पारिभाषित करते हैं। प्रत्येक छात्र का भाषा को पारिभाषित करने का तरीका अलग हो सकता है। उनकी अभिव्यक्ति को सुनें।
- भाषा के रूपों के बारे में बताते हुए छात्रों से मौखिक तथा लिखित भाषा रूप के उदाहरण बताने को कहें। सांकेतिक भाषा के बारे में बताते हुए समझाएँ कि संकेतों द्वारा सारी बात नहीं समझाई जा सकती। इसलिए इसे भाषा नहीं माना जाता।
- छात्रों को संविधान की 22 भाषाओं से अवगत कराएँ। बताएँ, 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था इसलिए प्रतिवर्ष इसी दिन हिंदी दिवस मनाया जाता है।
- समझाएँ, मौखिक भाषा को लिखित रूप देने के लिए कुछ चिह्न बनाए गए हैं, जिन्हें लिपि कहते हैं।
- लिपि समझाने के लिए ब्लैकबोर्ड पर हिंदी में कोई वाक्य लिखें फिर वही वाक्य अंग्रेज़ी में भी लिखें। यदि कक्षा में कोई छात्र-छात्रा पंजाबी, मुस्लिम या बंगाली हो तो उनसे वह वाक्य उनकी भाषा की लिपि गुरमुखी, फ़ारसी या बाँगला में लिखवाएँ। इस प्रकार से छात्र आसानी से लिपि समझ पाएँगे।
- पृष्ठ 6 पर दिए गए लिपि के अभ्यास को छात्रों से करवाएँ।
- व्याकरण क्या होता है तथा इसकी आवश्यकता के संबंध में छात्रों से पूछें तथा फिर उन्हें समझाएँ।
- व्याकरण के तीनों अंगों के बारे में समझाएँ। बताएँ, वर्ण, शब्द तथा वाक्य व्याकरण के तीन मुख्य अंग होते हैं जिनके आधार पर व्याकरण के नियम जाने जाते हैं।
- सुनिश्चित करें कि छात्र पाठ में ध्यान दे रहे हैं।
- 'अब तक हमने सीखा' के अंतर्गत पाठ के मुख्य बिंदु दिए गए हैं। शिक्षक/शिक्षिका छात्र-छात्राओं को उनकी पुनरावृत्ति करवाएँ।